शिक्षा के गोठ

मासिक ई-न्यूज़लेटर

अंक 3

दिसंबर 2020

स्कूल शिक्षा विभाग, छत्तीसगढ़ शासन

अपनों से बात

यह जानकर अत्यन्त प्रसन्नता हुई कि नोवेल कोरोना वायरस के चलते स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा नवाचारी गतिविधियों को रेखांकित करने के उद्देश्य से 'शिक्षा के गोठ' ई-न्यूज़लेटर का प्रकाशन प्रारम्भ किया गया है।

इस विश्वव्यापी महामारी के समय में सीखने की गति को जारी रखने के लिए छत्तीसगढ़ शासन द्वारा 'पढ़ई तुंहर दुआर', 'पढ़ई तुंहर मोहल्ला', लाउडस्पीकर, बुल्टू के बोल जैसे अनेक नवाचारी कार्यक्रम प्रारंभ किए गए हैं, जिसके तहत हमारे शिक्षकों के प्रयास से ज्यादा से ज्यादा बच्चों को सीखने का अवसर प्रदान किया जा रहा है। सभी माध्यमों से शत-प्रतिशत बच्चों को जोड़े जाने का प्रयास है। शिक्षकों द्वारा सीखने-सिखाने के रोचक तरीकों, नवाचारी गतिविधियों को समय-समय पर प्रोत्साहित भी किया जा रहा है।

प्रदेश की शिक्षा में गुणवत्ता लाने तथा किए गए प्रयास को आमजनों तक पहुँचाने के लिए स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा SCERT के माध्यम से ई-न्यूज़ लेटर 'शिक्षा के गोठ' का तीसरा अंक आपके हाथ में है। मुझे आशा ही नहीं बल्कि पूर्ण विश्वास है कि हमारे शिक्षकगण इस ई-न्यूज़ लेटर के माध्यम से 'पढ़ई तुंहर दुआर' कार्यक्रम को सफल बनाएंगे।

आशीष कुमार भटट्
सचिव,
छत्तीसगढ़ शासन
स्कूल शिक्षा विभाग

संपादकीय

'पढ़ई तुंहर दुआर' योजना के तहत कोविड-19 संक्रमण के दौरान शिक्षा की अविरल धारा निरंतर प्रवाहित होता रहा है। ऑनलाइन और ऑफलाइन कक्षाओं के माध्यम से प्रदेश के सभी बच्चों को सीखने-सिखाने का अवसर प्रदान किया गया है। जिसमें बच्चों ने कोविड-19 महामारी के विषम परिस्थितियों में भी पढ़ने में रूचि दिखाई जिसके तहत शिक्षकों ने पढ़ाने के विभिन्न तरीकों को नवाचार का रूप दिया।

प्रमुख रूप से मोहल्ला क्लास, लाउडस्पीकर, ऑगमेंटेड रियलिटी क्लास, बुल्टू के बोल, ऑनलाइन और ऑफलाइन क्लास शामिल हैं, साथ ही विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से शिक्षक अपने विद्यार्थियों को पढ़ना-लिखना सिखा रहे हैं। शिक्षा सत्र का 6 माह बीत चुका है। बच्चों ने क्या सीखा? इसका मूल्यांकन कैसे होगा? यह प्रश्न चिन्तनीय है किन्तु बच्चों ने इस समय जो भी सीखा है वह महत्वपूर्ण है।

शिक्षा के माध्यम से बच्चों का सर्वांगीण विकास ही हमारा संकल्प है इसे हम सकारात्मक सोच, आप सभी के सहयोग और विश्वास के द्वारा सफल बना सकते हैं।

डी. राहुल वेंकट
संचालक,
राज्य शैक्षिक अनुसंधान और
प्रशिक्षण परिषद, छत्तीसगढ़

राष्ट्र की एकता सुनिश्चित करना हमारे संविधान का अंतिम लक्ष्य : मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल

संविधान दिवस पर आयोजित वेबिनार में मुख्यमंत्री के संदेश को सुना बच्चों ने

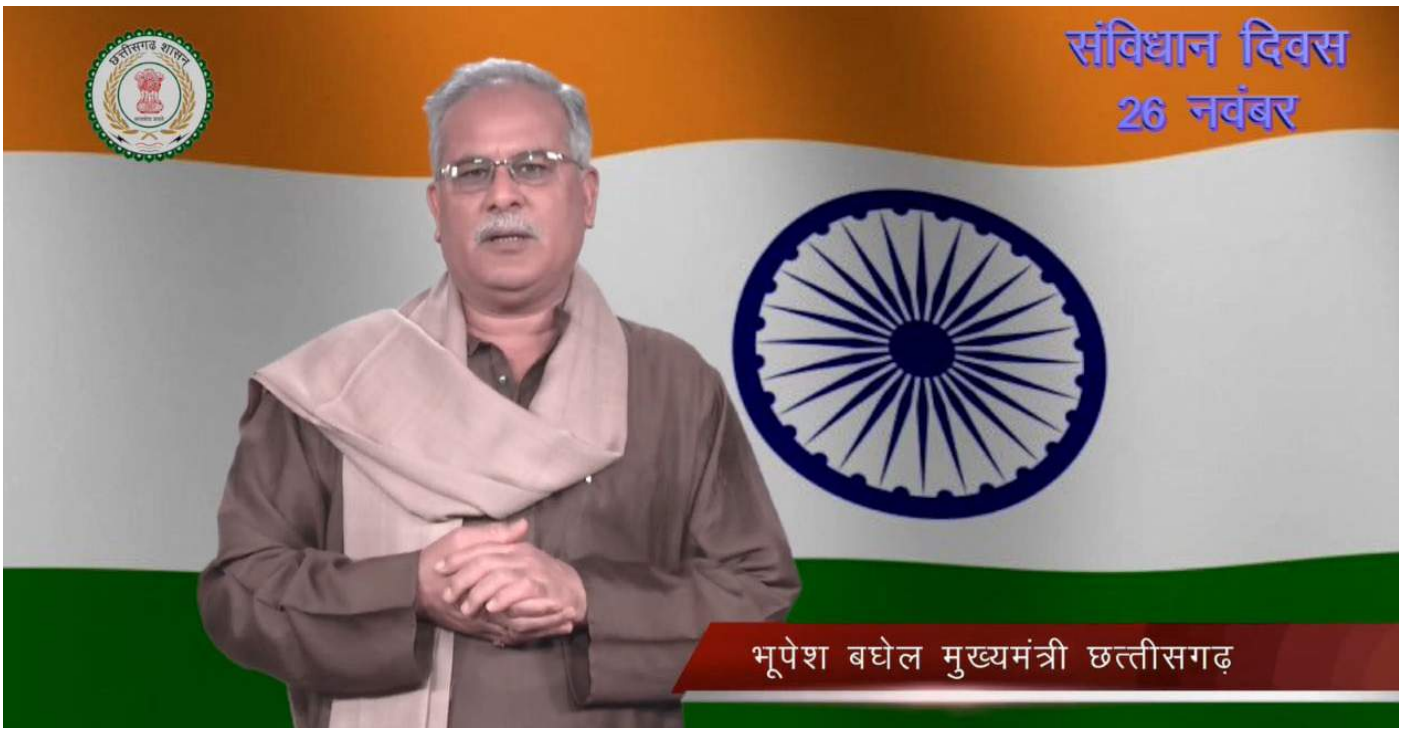

मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने संविधान दिवस के अवसर पर स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय वेबिनार में अपने संदेश में कहा कि व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता सुनिश्चित करना हमारे संविधान का अंतिम लक्ष्य है। हम सबको यह संकल्प लेना होगा कि हम अपने महान संविधान की रक्षा के लिए सदैव तत्पर रहेंगे। जब तक हमारा संविधान सुरक्षित है तभी तक हमारा देश और यहां रहने वाला हर व्यक्ति और उसका भविष्य सुरक्षित है। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर प्रदेशवासियों को संविधान दिवस की शुभकामनाएं दी और संविधान निर्माताओं को नमन किया। वेबिनार का आयोजन स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा किया गया जिसमें विद्यार्थी, शिक्षक और पालक बड़ी संख्या में शामिल हुए।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कहा कि नई पीढ़ी के मन में अपने संविधान के प्रति आस्था और गौरव का भाव जगाने के लिए छत्तीसगढ़ के स्कूलों में संविधान की प्रस्तावना के वाचन और संविधान के महत्वपूर्ण अंशों पर चर्चा की शुरूआत की गई है। मुख्यमंत्री ने डॉ. भीमराव अंबेडकर सहित समस्त संविधान निर्माताओं की भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि हमारे महान नेताओं राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, पंडित जवाहर लाल नेहरू, डॉ. राजेन्द्र प्रसाद, मौलाना अबुल कलाम आजाद और डॉ. भीमराव अंबेडकर जैसे मनिषियों ने यह सुनिश्चित किया कि हमारा देश अपने संविधान पर चलेगा। हमारा संविधान हम सब भारतीय मिलकर बनाएंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे संविधान के निर्माण में देश के हर वर्ग, हर समाज और हर क्षेत्र के विचारकों, चिंतकों और विधि विशेषज्ञों की भूमिका रही। गौरवशाली संविधान बनाने का काम पूरा करते हुए 26 नवम्बर 1949 को संविधान सभा ने इसे अंगीकार कर लिया, इसलिए आज का दिन संविधान दिवस कहलाया और 26 जनवरी 1950 को इसे लागू किया गया। उन्होंने कहा कि संविधान की रचना उदारता और समग्रता के साथ की गई, उसमें न सिर्फ संविधान निर्माण प्रक्रिया में शामिल सभी लागों को भावनात्मक रूप से जोड़ा गया, बल्कि आने वाली पीढियों और जन-जन को, यह संविधान अपनेपन से जोड़ता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे संविधान की सबसे बड़ी विशेषता है कि इसे हम भारत के लोगों ने स्वयं बनाया और स्वयं समर्पित किया है। उन्होंने संविधान की प्रस्तावना का पठन भी किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश की युवा पीढ़ी अपने संविधान में बताए गए रास्ते पर चलने के लिए संकल्पबद्ध हो।

स्कूल शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम ने बेबीनार में अपने संदेश के माध्यम से संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप स्कूलो में प्रार्थना के दौरान संविधान के विषय में चर्चा की जाए, ताकि लोकतांत्रिक और संवैधानिक मूल्यों के अनुरूप विद्यालय की व्यवस्था संचालन में बच्चों की भूमिका सुनिश्चित हो सके। उन्होंने कहा कि संविधान महज एक किताब नहीं, वरन वह भारत की आत्मा है। संविधान देश का सर्वोच्च कानून होता है। मंत्री डॉ. टेकाम ने शिक्षकों और विद्यार्थियों से अपील करते हुए कहा कि कोरोना संकट के दौरान और बाद में अपनी पढ़ाई को जारी रखने के लिए अपना नियम, कानून या संविधान बनाए और सभी मिलकर अपने स्कूल या क्षेत्र में इसका पालन करें।

लोक शिक्षण संचालनालय के संचालक श्री जितेन्द्र शुक्ला ने वेबीनार को संबोधित करते हुए कहा कि विद्यालयों में शासन के मंत्रियों की तरह बच्चों को मंत्री बनाया जाए तथा उन्हें तदनुरूप भूमिका भी प्रदान की जाए, ताकि वे संवैधानिक प्रक्रियाओं से परिचित होते रहें। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल के सचिव प्रो. व्ही. के. गोयल ने संविधान की उद्देशिका का वाचन किया तथा संविधान के महत्व पर चर्चा की। समग्र शिक्षा के सहायक संचालक डॉ. एम. सुधीश ने संविधान से संबंधित गतिविधियों के आयोजन के संबंध में चर्चा की। विषय विशेषज्ञ के पैनल में छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल में सहायक प्राध्यापक श्रीमती अर्चना वर्मा, सहायक प्राध्यापक श्रीमती प्रीति शुक्ला, व्याख्याता श्री धर्मेश शर्मा, व्याख्याता श्री राजकुमार गेण्ड्रे और केन्द्रीय विद्यालय के भूतपूर्व प्राचार्य श्री विश्वदीप शुक्ला सम्मिलित हुए। इन्होंने संविधान के दर्शन, प्रस्तावना, स्त्रोत, महत्व, विशेषताएं एवं अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओ पर सारगर्भित जानकारी वेबीनार में दी। वेबिनार का प्रसारण सोशल मीडिया पर भी किया गया।

कार्यक्रम का संचालन स्टेट मीडिया सेंटर के नोडल अधिकारी श्री प्रशांत कुमार पाण्डेय ने किया। आभार प्रदर्शन छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल के उपसचिव श्री जे. के. अग्रवाल ने किया। आयोजन में श्री कुणाल, रोहित, भास्कर देवांगन ने तकनीकी सहयोग प्रदान किया।

मुख्यमंत्री पहुंचे मोहल्ला क्लास में

बच्चों ने सुनाए तुलसी के दोहे व पहाड़ा

मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल दुर्ग जिले के पाटन तहसील के ग्राम अमलेश्वर में 'पढ़ई तुहार दुआर' योजना के तहत संचालित मोहल्ला क्लास के बच्चों के पास पहुंचे। उन्होंने बच्चों से हिंदी, गणित और पर्यावरण संबंधी खूब प्रश्न पूछे, बच्चों ने इनका कुशलतापूर्वक उत्तर दिया, मुख्यमंत्री ने बच्चों को खूब शाबाशी दी। बच्चों ने मुख्यमंत्री को बताया कि उनके स्कूल में संगीत के माध्यम से पढ़ाई की जाती है। इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि दोहे सुनाओ। इस पर एक छात्रा ने तुलसीदास जी का दोहा सुनाया। 'तुलसी मीठे बचन ते सुख उपजत चहु ओर, बसीकरण इक मंत्र है परिहरु बचन कठोर'। मुख्यमंत्री ने कहा, बहुत अच्छे से पढ़ाई हो रही है। इसके बाद उन्होंने बच्चों से घातांक के बारे में प्रश्न पूछा। 18 का पहाड़ा भी पूछा। बच्चों ने फर्राटे से इसका जवाब दिया।

मुख्यमंत्री ने बच्चों से पर्यावरण की परिभाषा भी पूछी। बच्चों ने इसकी परिभाषा दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि आपको न केवल पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक रहना है अपितु अन्य लोगों को भी संरक्षण के लिए प्रेरित करना है। उदाहरण के लिए आपके गांव के पास से खारुन नदी बहती है। उसमें लोग प्लास्टिक डाल देते हैं, जब भी ऐसा देखें तो लोगों को आगाह करें, उन्हें बताएं कि यह पर्यावरण के लिए कितना खतरनाक है। उन्होंने बताया कि पानी का प्रदूषण बेहद खतरनाक हो सकता है। 80 प्रतिशत बीमारियाँ दूषित पानी से होती हैं। उन्होंने कहा कि बुजुर्ग कहते थे- पानी पियव छान के, गुरु बनाववं जान के।

हम पर्यावरण के प्रति जितने जागरूक रहेंगे, उतने ही स्वस्थ रहेंगे

मुख्यमंत्री ने कहा कि पूरी दुनिया में बच्चे पर्यावरण के प्रति बेहद सजग हैं। यूरोप में तो इसके लिए आंदोलन भी किये गए हैं। उन्होंने कहा कि पेड़ कार्बन डाइऑक्साइड का अवशोषण करते हैं। जितने पेड़ होंगे, ग्लोबल वार्मिंग उतनी ही घट जाएगी। उन्होंने कहा कि ग्लोबल वार्मिंग की वजह से ग्लेशियर पिघल रहे हैं। समुद्र का जलस्तर बढ़ जाता है। इससे समुद्र तट के किनारे के शहरों के डूबने की आशंका बनती है। इसे रोकने अधिकाधिक पेड़ लगाने जरूरी हैं। उन्होंने कहा कि हम सब छत्तीसगढ़ महतारी की संतान हैं। हम सब शक्तिशाली होंगे तो हमारा राज्य मजबूत होगा। इसके लिए हमें अपने गोधन को सहेजना होगा। मुख्यमंत्री ने कोरोना से बचाव के बारे में भी बच्चों से पूछा। बच्चों ने कहा कि इसके लिए हम मास्क पहनते हैं। समय समय पर साबुन से हाथ धोते हैं। मुख्यमंत्री से बच्चों ने ढोलक, तबला जैसी संगीत सामग्री की मांग की। मुख्यमंत्री ने कहा कि जल्द ही आप लोगों को यह सामग्री मिल जाएगी।

'ऑगमेंटेड रियलिटी' टेक्नोलॉजी का उपयोग

बच्चों को अब पढ़ाई में आ रहा है मज़ा

कोरोना काल में बच्चों की पढ़ाई निर्बाध रूप से जारी है। पढ़ईं तुंहर दुआर कार्यक्रम अंतर्गत आयोजित मोहल्ला क्लास में बच्चों की शिक्षा को रोचक और आनंददायी बनाने के उद्देश्य से ऑगमेंटेड रियलिटी का उपयोग प्रारम्भ किया गया है। इस नवाचार से बच्चों को विषय को समझने में काफी आसानी हो रही है। स्कूलों में शिक्षकों द्वारा ऑनलाइन और मोहल्ला क्लास लेते समय ऑगमेंटेड रियलिटी का प्रयोग शुरू

करने के उद्देश्य से एक वेबिनार का आयोजन किया गया। जिसमें विशेषज्ञों के द्वारा लाइव डेमो देते हुए ऑगमेंटेड रियलिटी की मदद से सचमुच का शेर, गाय, हाथी को बनाकर दिखाया गया। साथ ही शिक्षकों को मानव संरचना, सौरमंडल जैसे विज्ञान से जुड़ी अवधारणाओं को समझने के लिए 3डी सिम्युलेटेड वातावरण उपयोग हेतु डेमो दिया गया। बताया गया कि हाथी, शेर, घोडा, गाय, डायनासौर जैसे जानवरों और

अन्य जंतुओं की तस्वीर के साथ अध्यापन से बच्चों में उत्सुकता बनी रहती है। आज के समय में ऑगमेंटेड रियलिटी का प्रयोग डिजिटल गेमिंग, शिक्षा, सैन्य प्रशिक्षण, इंजीनियरिंग डिजाइन, रोबोटिक्स, शॉपिंग और चिकित्सा के क्षेत्र में किया जा रहा है। ऑगमेंटेड रियलिटी जैसी तकनीक के उपयोग से शिक्षा के क्षेत्र में बहुत बड़ा बदलाव किया जा रहा है। जिसके द्वारा किसी भी टॉपिक कि जानकारी के साथ-साथ उससे संबन्धित वर्चुअल चित्र भी देख सकते हैं। शिक्षा में टेक्नोलॉजी विषय को सरल बनाने का काम करती है। आज कल प्रोजेक्टर, स्मार्ट क्लासेज का दौर है ऐसे में ऑगमेंटेड रियलिटी शिक्षा को और आसान व रोचक बना रही है। प्रदेश के शक्षकों द्वारा ऑगमेंटेड

रियलिटी का शिक्षण में इस्तेमाल करना शुरू भी किया जा चुका है। इस तकनीक की सहायता से आसपास के वातावरण की तरह एक डिजिटल दुनिया बनाई जाती है। किसी भी चीज को बेहतर बना कर दिखाना, जिससे वह बिलकुल वास्तविक लगे इसे ही ऑगमेंटेड रियलिटी कहते हैं। आसपास के वातावरण से मेल खाता हुआ एक कम्प्यूटर जनित वातावरण तैयार किया जाता है। ऑगमेंटेड रियलिटी आपके आसपास

के वातावरण से इंटरैक्ट कर सकती है साथ ही रिलेटेड वातावरण निर्मित कर प्रदर्शन करती है जिससे बच्चे बड़े ही मजे से देख कर आनंदित होते हैं और सरलता से सीखते भी हैं।

cgschool.in पोर्टल के अनुसार मासिक मानिटरिंग रिपोर्ट

District Wise Teacher Log in

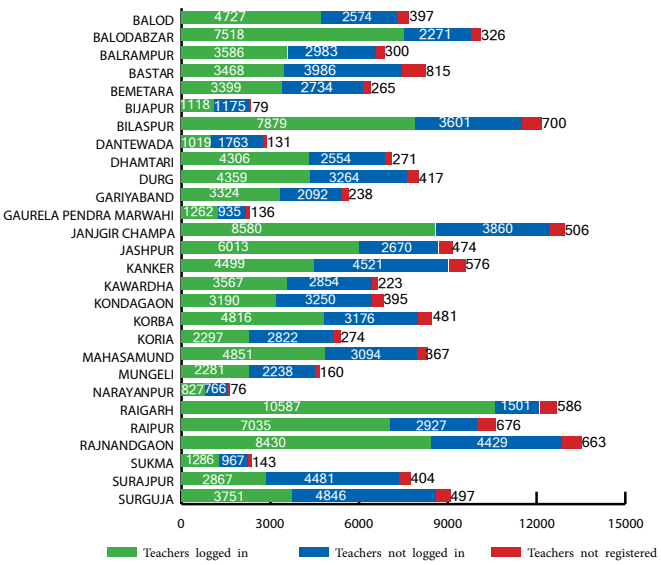

District Wise Student Log in

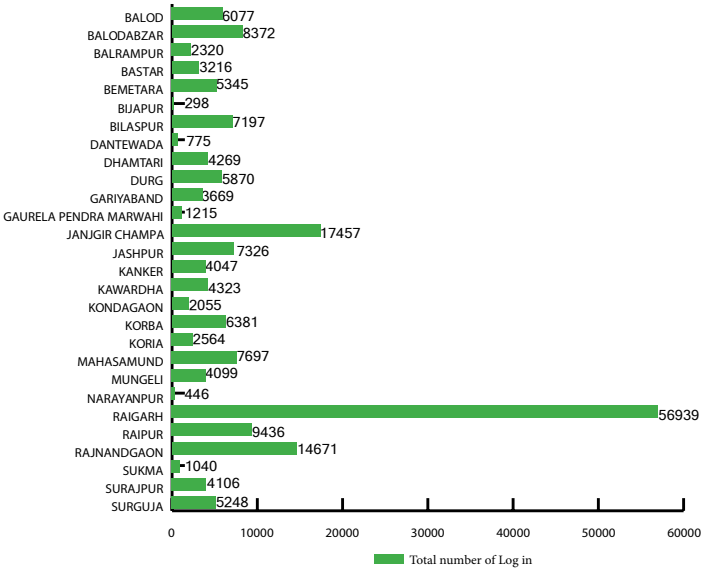

Class Wise Total Content Views

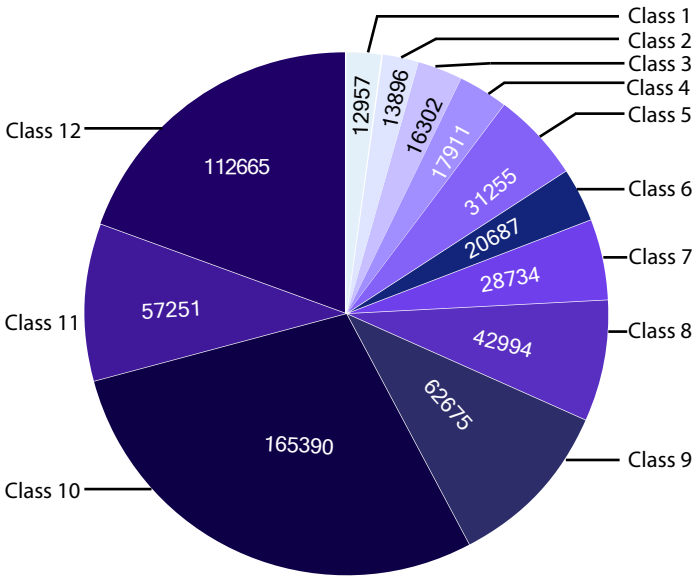

Total Views = 582717
(21.2% increase from previous month)

Class 1-10 Subject Wise Content Views

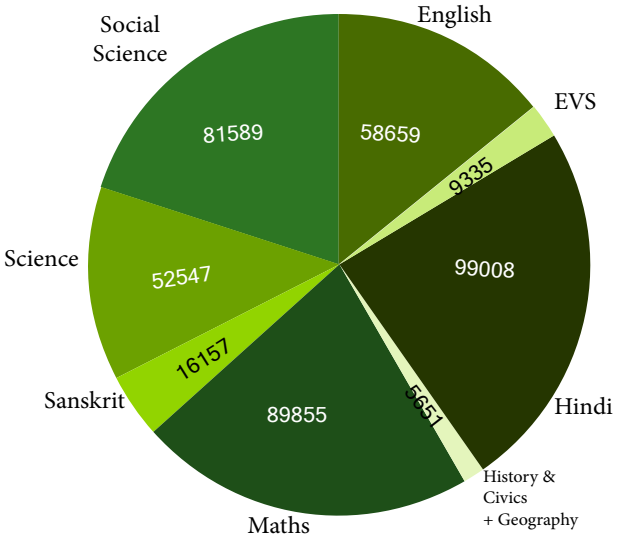

Total Views = 412801
(26.5% increase from previous month)

Class 11-12 Subject wise Content Views

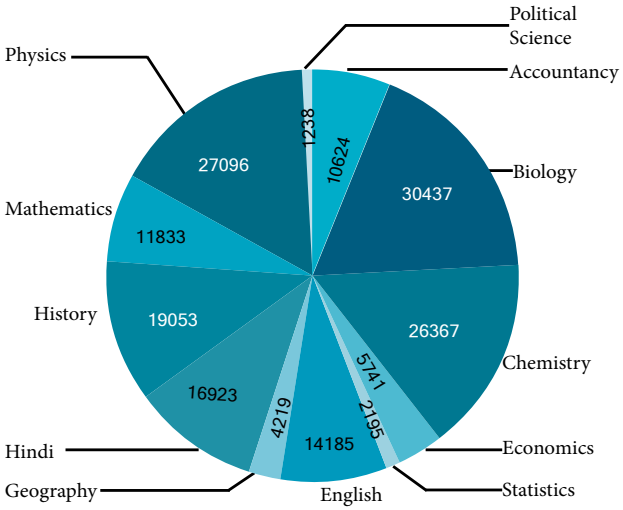

Total Views = 169911
(14% increase from previous month)

No. of Students Impacted

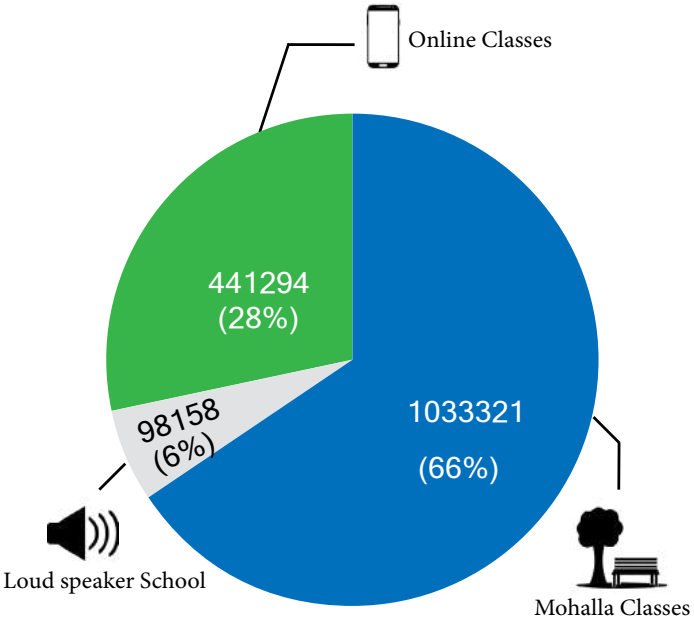

District Wise Online Classes Conducted

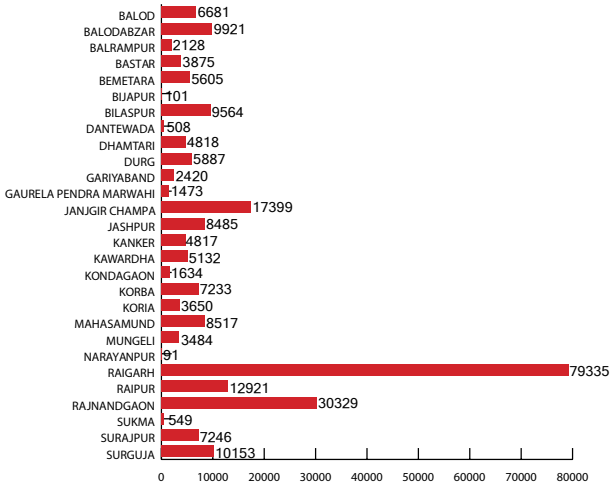

District Wise Students Attended Online Classes

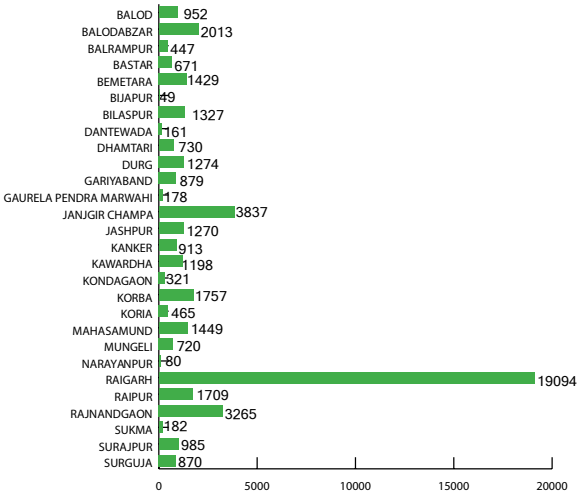

Usage of cgschool app

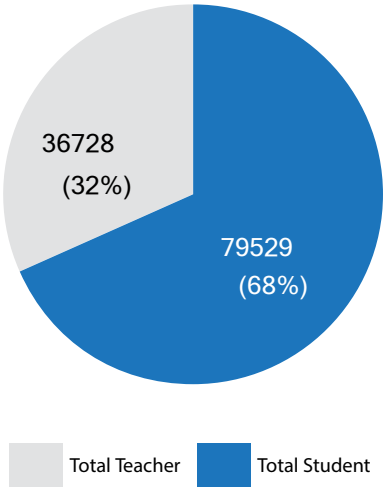

Audio Sharing through Bultoo ke Bol app

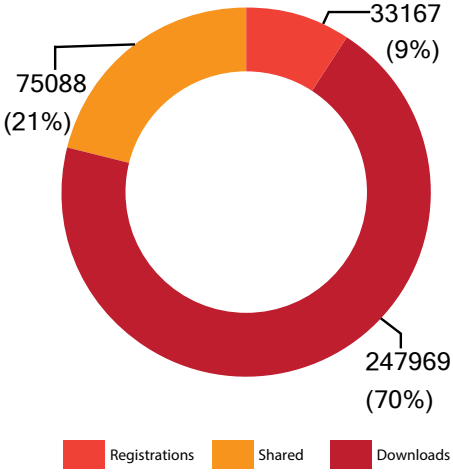

School Category wise Student entries in PTD

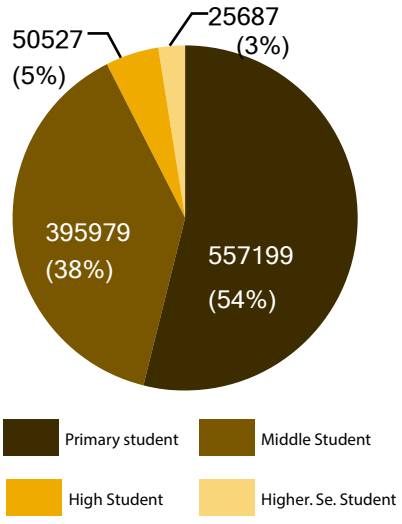

cgschool.in के माध्यम से आयोजित सर्वे का परिणाम

सर्वे का उद्देश्य

राज्य में सभी शासकीय स्कूलों में पढ़ई तुंहर दुआर के अंतर्गत आकलन के लिए एक नई प्रक्रिया की शुरुआत की गयी है| इसमें बच्चों की प्रगति के लिए स्माइली के आधार पर आकलन की प्रक्रिया अपनाई जाती है| इस नई और आसान प्रक्रिया जिसके माध्यम से हम पालकों तक भी अपनी बात आसानी से पहुंचा सकते हैं और सुधार के क्षेत्रों की जानकारी आदि को सरल चित्रों के माध्यम से दिखा सकते हैं बच्चों एवं शिक्षकों का अभिमत सर्वे के माध्यम से लिया जाकर इस कार्यक्रम का विस्तार किया जाना है|

विद्यार्थियों के लिए प्रश्न: वर्तमान में स्माइली के आधार पर किए जा रहे आकलन से आपको कोई डर या कठिनाई तो नहीं हो रही है ?

विकल्प एक- बिलकुल नहीं, बल्कि सीखना अच्छा लग रहा है |
7784 (75%)

विकल्प दो- अभी भी आकलन या परीक्षा से डर लग रहा है, सीखने में दिक्कत हो रही है |
2618 (25%)

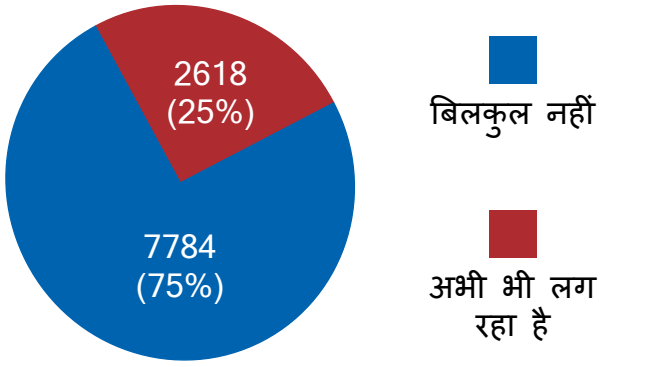

स्माईली आधारित आकलन-बच्चों का अभिमत

शिक्षकों के लिए प्रश्न:आपको वर्तमान में उपलब्ध करवाई गयी आकलन की प्रक्रिया जिसमें बहुत सारे रिकार्ड आदि के संधारण के बदले बच्चों की स्थिति के आधार पर उपयुक्त स्माइली को टच करना है, वह कैसे लग रहा है ?

विकल्प एक- बहुत अच्छा एवं उपयोगी
29864 (92%)

विकल्प दो- बेकार एवं अनुपयोगी
276 (08%)

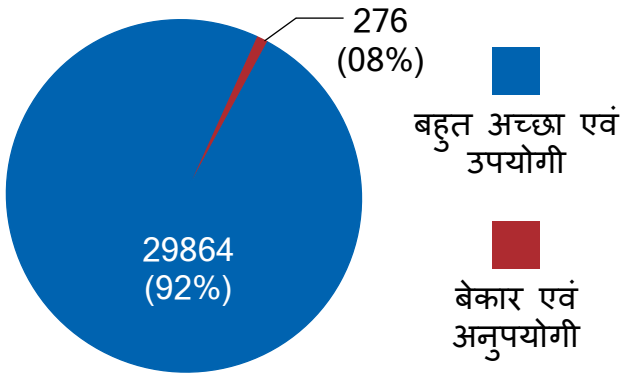

स्माईली आधारित आकलन-शिक्षकों का अभिमत

बच्चों एवं शिक्षकों ने नवीन, आसान और अभिलेखों के बोझ से मुक्त स्माइली आधारित आकलन प्रणाली को पसंद किया है अतः इस पर और अधिक कार्य कर इसका विस्तार नियमित कक्षा आकलन प्रणाली में किया जाना प्रस्तावित है |

ह्यूमाना पीपल टु इंडिया कोविड के दौरान किए जा रहे प्रमुख कार्य

कोविड़-19 महामारी के कारण स्कूल बंद हैं और निकट भविष्य में फिर से खुलने पर अनिश्चितता हैं। बच्चों को घर पर ही शिक्षा से जोड़े रखने के लिए,छत्तीसगढ़ सरकार के स्कूल शिक्षा विभाग ने पढ़ई तुंहर दुआर कार्यक्रम शुरू करके एक पहल की है। अधिकतम ग्रामीण व आदिवासी बच्चों को शिक्षा से जोड़ने के उद्देश्य से शासन ने एक कार्यक्रम 'पढ़ई तुंहर पारा' प्रारंभ किया है | इस कार्यक्रम में स्कूल के शिक्षक और शिक्षा सारथी अपने समुदाय के बच्चों को शिक्षा प्रदान करने लिए प्रेरित करते हैं | इस कार्य्रकम के अंतर्गत समुदाय द्वारा उपलब्ध करवाए गए स्थानों में छोटे-छोटे समूहों में कक्षाएं आयोजित की जा रही हैं। ह्यूमाना पीपल टु इंडिया द्वारा राज्य में समग्र शिक्षा के साथ मिलकर इस कार्यक्रम में शिक्षा सारथियों का चयन, उनका प्रशिक्षण कर कदम नामक शिक्षण सामग्री का उपयोग कर हर प्रकार का आवश्यक सहयोग दिया जा रहा है।

हमने सात जिलों- सुरजपुर, बिलासपुर, रायगढ़, मुंगेली, रायपुर, बीजापुर और दंतेवाड़ा में अपना काम शुरू कर दिया है। हम कवर्धा, महासमुंद और कांकेर जिले में भी इस कार्यक्रम को सहयोग देना चाह रहे हैं। रायगढ़ और मुंगेली मे हम "डिजिटल क्लासरूम प्रोजेक्ट" के माध्यम से "पढ़ई तुंहर दुआर" आनलाइन शिक्षा पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं और बाकी पांच जिलों सुरजपुर, बिलासपुर, रायपुर, बीजापुर और दंतेवाड़ा में पढ़ई तुंहर पारा पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।

21 नवम्बर 2020 तक हम 490 स्थानीय सरकारी शिक्षकों व 204 शिक्षा सारथियों के साथ काम कर रहे हैं। इनमें से 276 शिक्षक एवं 67 शिक्षा सारथी राजीव गांधी शिक्षा मिशन के गुगल फार्म में नामांकन कर चुके हैं। 7 जिलों में 153 स्कूलों के साथ जुड़े हैं। 5228 बच्चे 567 छोटे समूहों में पढ़ रहे हैं, हर समूह में लगभग 10 बच्चे हैं। 438 बच्चों के तिकड़ी समूह (Trio Group) बने हुए हैं। 209 शिक्षक कदम कार्यक्रम की पुस्तक की soft copy प्राप्त कर कक्षा में पढ़ा रहे हैं। शिक्षकों को लिए 188 कदम माड्यूल थीम आधारित शिक्षण प्रणाली पर आनलाइन प्रशिक्षण आयोजित किया गया है।

ह्यूमाना पीपल टु इंडिया के जिला पदाधिकारी के द्वारा 179 फील्ड विजिट का आयोजन किया गया। कोरोना वायरस के संक्रमण फैलने के कारण कुछ पंचायतों के निर्णय के अनुसार शिक्षा समूहों को अस्थाई रूप से बंद किया गया है।

ह्यूमाना निम्नलिखित बिन्दु पर ध्यान केन्द्रित करते हैं-

- **"कदम" शिक्षण पद्धति के माध्यम से छात्र केंद्रित शिक्षा।**
- **छात्र तिंकड़िया/छोटे समूहों में आयोजित करते हैं।**
- **थीम आधारित शिक्षण।**
- **स्थानीय शिक्षकों /शिक्षा सारथी की क्षमता निर्माण के साथ कार्यक्रम के क्रियान्वयन को सुगम बनाना।**

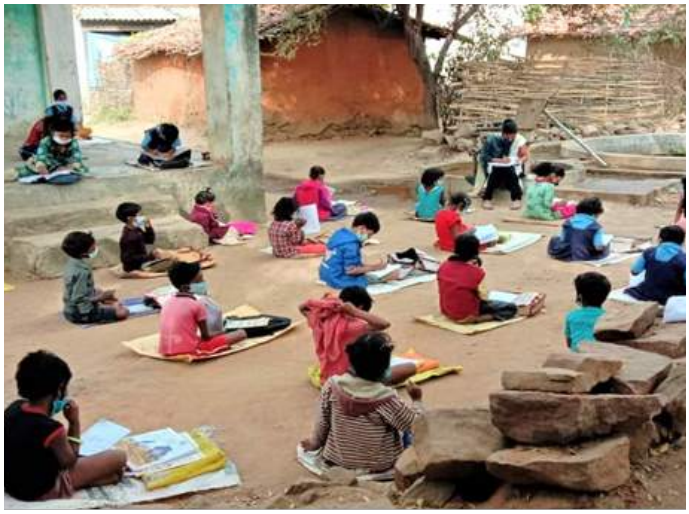

प्रत्येक स्थानीय शिक्षकों व स्वंय-सेवकों के साथ फोन/ व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से ह्यूमाना जिला पदाधिकारी दैनिक संचार में है। माता-पिता और बच्चे दोनों इस शैक्षिक पहल से खुश हैं और बच्चे नियमित रूप से कक्षाओं में भाग ले रहे हैं। तीन माह रिपोर्टिंग के पश्चात् 94 प्रतिशत उपस्थिति को चिन्हित किया गया है। परियोजना टीम के सदस्य पंचायत प्रतिनिधियों एवं समुदाय के शिक्षाविद् के साथ अच्छे सम्बंध से कार्यक्रम को लागू कर रहे हैं।

नवीन कदम -रुचिकर शिक्षा की ओर.....

कोरोना संक्रमण की इस भीषण महामारी से सम्पूर्ण राज्य प्रभावित है। स्कूलों में तालाबंदी है, इस स्थिति को देखते हुए बच्चों की पढ़ाई जारी रहे, इस हेतु छत्तीसगढ़ शासन द्वारा 'पढ़ई तुंहर दुआर' नामक कार्यक्रम प्रारंभ किया गया था परन्तु इस कार्यक्रम का लाभ अधिकतर बच्चे नहीं ले पा रहे हैं। इसे देखते हुए शासन द्वारा एक नवीन रूपांकन 'पढ़ई तुंहर पारा' के माध्यम से मजरा-टोला बसाहटो में शिक्षक सारथी/शिक्षक, पालक समुदाय के माध्यम से बच्चों में अध्ययन-अध्यापन को निरन्तर बनाए रखने का प्रयास किया जा रहा है।

'पढ़ई तुंहर पारा' से शिक्षक-सारथी/शिक्षक, शाला प्रबन्धन समिति, विद्यार्थी, लर्निंग कम्युनिटी सभी सहभागी होकर शिक्षण से जुड़ रहे हैं। इससे बच्चे समुदाय के अनुभवों का भी लाभ उठा रहे हैं, उनसे सीख रहे हैं।

इसी अनुक्रम में परिषद (एस. सी.ई.आर.टी.) प्रदेश में अध्ययनरत छात्रों के स्तर का ध्यान रखते हुए वर्कशीट निर्मित कर प्रति सप्ताह छात्रों तक पहुँचाने का दायित्व वहन कर रही है।

इन वर्कशीट्स को बनाने के पहले परिषद के विषय विशेषज्ञों द्वारा गम्भीर मनन चिन्तन किया गया, फिर स्तरवार कुछ दक्षताओं का चिह्नांकन किया गया है। जैसा कि आप सभी जानते हैं कि बच्चे भाषिक दक्षताओं के साथ स्कूल आते हैं, इसी बात को ध्यान में रखते हुए भाषा शिक्षण के उद्देश्य तय किए गए, इन उद्देश्यों की पूर्ति के लिए गतिविधियाँ बनाई

गई, जो कि कौशल आधारित है। जैसे- भाषा आधारित कौशल है-

1. सुनना, सुनकर समझना, बोलना, समझकर बोलना।
2. पढ़ना, पढ़कर समझना।
3. लिखना।
4. सृजनात्मक प्रयोग।

पर्यावरण विषय प्राकृतिक, भौतिक, सामाजिक व सांस्कृतिक अवधारणाओं की समझ विकसित करता है। अतः इस विषय में निम्नांकित अवधारणाएँ तय की गई है। इसी तरह विषय विज्ञान एवं गणित हेतु भी अवधारणाएँ तय की गई।

परिषद द्वारा निर्मित व भेजी जा रही वर्कशीट्स में शिक्षक हेतु निर्देश, बच्चों द्वारा कराई जा सकने वाली गतिविधियाँ तथा बच्चों के सीखने समझने के लिए आकलन हेतु प्रश्न भी दिए जाते हैं। इस वर्कशीट को दो स्तर पर सृजित की गई है-

1. प्राथमिक स्तर (कक्षा 01 से 05वीं हेतु)
2. उच्च प्राथमिक स्तर (कक्षा 06 से 08वीं हेतु)

चूंकि कक्षा 01 से 05 हेतु एक ही वर्कशीट है अतः पाँच कक्षाओं के बच्चों के स्तर को ध्यान में रखते हुए शिक्षकों को निर्देशित किया गया है तथा इस बात का भी पूरा ध्यान रखा गया है कि बच्चे रूचि पूर्ण ढंग से उससे जुड़ें व शिक्षा सारथी उसे व्यावहारिक बना सकें।

क्षेत्रों से आ रही सूचनाएँ सकारात्मक है। हमारे शिक्षक व शिक्षा सारथी इस प्रतिकूल परिस्थितियों की चुनौती को स्वीकार करते हुए यथार्थ का सामना करने अटल होकर, बच्चों के साथ बच्चे बनकर इस भयावह परिस्थिति की भयावहता को गौण कर देने में सफल हो रहे हैं।

पुनश्चः हमारी अपेक्षाएँ भी यही है कि हमारे शिक्षक बन्धु परिषद द्वारा भेजी जा रही वर्कशीट को आधार मानकर स्वनिर्मित वर्कशीट बच्चों को उपलब्ध कराएँ जिससे कि राज्य में शिक्षा की धारा प्रवाहित होती है।

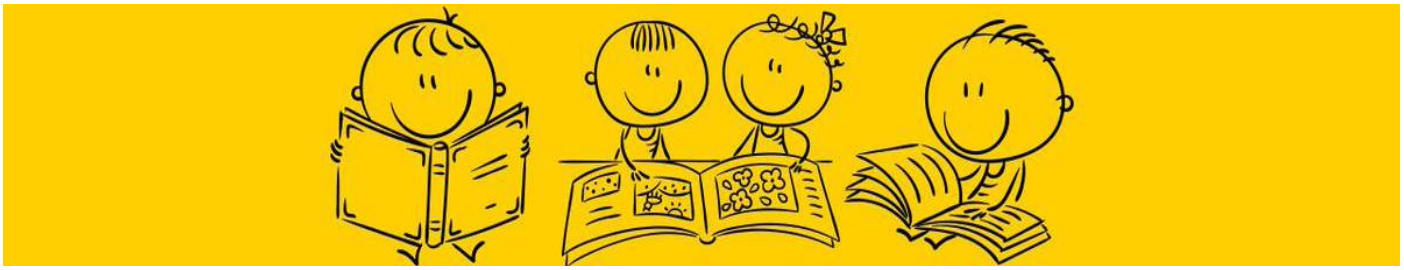

नवाचारी गतिविधियाँ

पढ़ाई के अलावा कबाड़ से जुगाड़ भी

धमतरी

कोविड-19 के समय में 'पढ़ई तुंहर दुआर' के अंतर्गत शिक्षक अपने कर्तव्य का निर्वहन बेहतर ढ़ग से करने के साथ नौनिहालों के हुनर को तराश रहे हैं। धमतरी जिले के विकास खण्ड नगरी के ग्राम बासीन के शिक्षक शून्य निवेश में कबाड़ से जुगाड़ करने की कला सिखा रहे हैं।

नगरी विकास खण्ड के संकुल केन्द्र बेलरबाहरा की शासकीय प्राथमिक शाला बासीन में कार्यरत सहायक शिक्षक एलबी श्री सुरेन्द्र प्रजापति द्वारा कोविड-19 को ध्यान में रखते हुए जिले में 'सीख' और पढ़ई तुंहर दुआर कार्यक्रम के तहत शून्य निवेश पर आधारित कबाड़ से जुगाड़ करते हुए बच्चों को सरल, सहज एवं रोचक पूर्ण तरीके से अध्ययन-अध्यापन करा रहे है। गतिविधि आधारित शिक्षा प्रदान करने में शिक्षक अपनी भूमिका सुनिश्चित कर रहे है। शिक्षक

श्री प्रजापति द्वारा 'सौर मंडल' एवं ग्रह नक्षत्रों की जानकारी प्रदान करते हुए 'नवग्रह चक्र' मॉडल का प्रदर्शन बच्चों के द्वारा प्रयोग, संवाद एवं अभिनय के माध्यम से किया जा रहा है। इस मॉडल का प्रदर्शन जिला मुख्यालय धमतरी स्थित कलार समाज में भवन में किया गया। मॉडल को श्री अरविंदो सोसायटी दिल्ली नोयडा द्वारा चयन किया गया है।

एल.सी.डी. को मोबाईल से जोड़कर ऑनलाइन क्लास

बेमेतरा

शिक्षक के ऑनलाइन क्लास का एलसीडी में प्रदर्शन से मोबाइल विहीन बच्चे भी लाभ ले रहे है। कोरोना काल में बच्चों को शिक्षा देना एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। विकासखंड बेरला के सभी स्कूलों में जनभागीदारी से स्मार्ट क्लास विकसित किया गया है। कहीं प्रोजेक्टर, कहीं एलसीडी तो कहीं टीवी लगाकर जनभागीदारी से कम खर्चों में इसे तैयार किया गया है।

वर्तमान में इस स्मार्ट क्लास को बच्चों की पढ़ाई के लिए इस्तेमाल करने पर संकुल केंद्र बार गांव के समन्वयक सुरेंद्र पटेल द्वारा प्रयास किया जा रहा है । इसके लिए समुदाय से जवाबदार को तैयार किया गया है जिसमें अपनी जवाबदारी में स्कूल के स्मार्ट टीवी का प्रयोग ऑनलाइन क्लास संचालित करने के लिए किया जाय। बालौदी कला में SMC अध्यक्ष श्री नरेन्द्र साहू अपने घर से कक्षा संचालित कर रहे हैं।

> “कोरोना ने दी नई चुनौती,
> हमने किया स्वीकार है।
> स्वयं से सीखते बच्चों ने,
> दूर किया अंधियार है।
> हम है शिक्षक नए सदी के,
> टेक्नोलॉजी हथियार है।”

ऑनलाइन क्लास के लिए कैसे कारगर होगी

Wifi कनेक्टर छोटी सी डिवाइस के रूप में आती है जिसे किसी भी **LCD** में जोड़ देने से मोबाइल का स्क्रीन **tv** में प्रदर्शित होने लगता है। शिक्षक जब **cgschool. in** से कक्षा संचालित करते हैं तब ग्राम के स्मार्टफोन को वाईफाई के माध्यम से जोड़ देते है जिससे शिक्षक का क्लास एलसीडी के स्क्रीन में दिखाएं देता है। ऐसा करने से सबसे बड़ा फायदा यह हुआ कि जिन बच्चों के पास स्मार्टफोन नहीं है या कीपैड मोबाइल है ऐसे आसपास के बच्चे एक साथ लाभ उठा रहे हैं। साथ में यूट्यूब से कई शैक्षिक वीडियो देख सकते है तथा वीडियो कॉल से शिक्षक बच्चों से बात कर सकते है।

क्षमता विकास हेतु रेडियो का उपयोग

बिलासपुर

Lockdown के दौरान ये महसूस किया कि शिक्षकों को भी मदद की ज़रूरत होती है इसलिए बिलासपुर के अरपा रेडियो द्वारा विभिन्न शैक्षिक कार्यक्रमों का निर्माण एवं प्रसारण किया गया।

तालाबंदी की शुरुआत होते ही शिक्षक योगेश कुमार पांडे द्वारा रेडिओ पर शिक्षक साथियों के लिए बिलासपुर छत्तीसगढ़ के अरपा रेडियो की मदद से ऑडियो टॉक शोज़ का आयोजन। कुछ मुख्य कार्यक्रम इस प्रकार हैं -

> गुणवत्ता के लिए जरुरी शिक्षा,
> व शिक्षक शिक्षाविदों की बात।
> योगेश कुमार पांडे जी ने दी,
> विभाग को एक सुंदर सौगात।
> रेडियो जैसे दूरसंचार से,
> बच्चों को जोड़े शिक्षा से।
> शिक्षाविदों से भेंट कर बच्चों को,
> महत्व बताए शिक्षा के।

अरपा रेडियो सुनने के लिये वेबसाइट लिंक
http://arpaaradio.com

डाउनलोड करने के लिये लिंक
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.arpaaradio

- दिगंतर जयपुर की भाषाविद् देवयानी भारद्वाज से भाषा शिक्षण के मुद्दों पर 2 एपिसोड्स।
- सुश्री संध्या रानी, SCERT से प्राथमिक/उच्च प्राथमिक शालाओं में अंग्रेज़ी शिक्षण की कठिनाईयों पर 15 शिक्षकों द्वारा पूछे गये प्रश्नों का समाधान, 8 एपिसोड्स।
- शिक्षा में रंगमंच विषयपर रेडिओ परिचर्चा।
- शिक्षक दिवस पर शिक्षकों की बात राज्य के 24 शिक्षकों/शिक्षक प्रशिक्षकों से शिक्षक दिवस पर बातचीत।

निर्माणाधीन कार्यक्रम

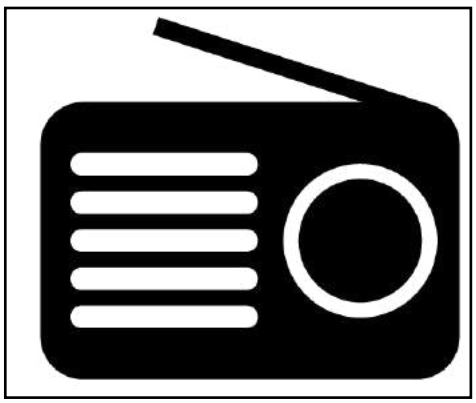

नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति की समझ बनाने के लिये चैप्टर वाइज़ ओडियो एपिसोड्स (माह में 2 एपिसोड) उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों को रेडियो पर टाईम स्लॉट (माह में 2 एपिसोड)।

अरपा रेडियो शिक्षा के प्रचार प्रसार के लिए प्रतिबद्ध कमर्शियल सामुदायिक रेडियो है जो बिलासपुर में स्थित है। **90.8 fm** पर लाइव **(in between 12 km radius)**, वेबसाइट एवं ऐप्प के माध्यम से सुना जा सकता है।

केबल टीवी के माध्यम से बच्चों को शिक्षा

जशपुर

नगर पालिका जशपुर क्षेत्र में खुले स्थान की समस्या होने के कारण एवं सघन आबादी होने से मोहल्ला क्लास लेने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। जिसे ध्यान में रखते हुए विकास खंड शिक्षा अधिकारी जशपुर एम.जेड.यू. सिद्दीकी के द्वारा एक नवाचार किया गया।

सर्वप्रथम नगर पालिका क्षेत्र का सर्वे किया गया। जिसमें पाया गया की लगभग 2600 केबल कनेक्शन हैं एवं लाभान्वित होने वाले छात्रों की संख्या 5000 से ऊपर है। तत्पश्चात टेक्निकल टीम का गठन एवं योग्य शिक्षकों का चयन किया गया जो मोबाइल से पहली से 12 वीं तक की कक्षाओं की रिकॉर्डिंग एवं एडिटिंग कर प्रसारण हेतु सी.डी. तैयार करते हैं। इसके बाद इसका प्रसारण चैनल नं 242 पर 12:00 से 2:00 तक नियमित रूप से किया जाता है। कक्षाओं की रिकॉर्डिंग हेतु एक रिकॉर्डिंग रूम बी. आर. सी. भवन में एवं एक एम. एल. बी. कन्या उ. मा. वि. जशपुर में स्थापित किया गया है। अवकाश के दिनों में प्रसारण बंद रहता हैं। इसकी मॉनिटरिंग जिला शिक्षा अधिकारी, डी. एम. सी., बी. ई. ओ., ए. बी. ई. ओ., बी. आर. सी., नियमित रूप से कर रहे हैं। वर्तमान में लाभान्वित छात्रों की संख्या 3472 हैं। आने वाले समय में यह बढ़कर 5000 से ऊपर हो जाएगी ऐसा विश्वास है।

> “चल पड़े हैं सीखने सिखाने,
> केबल टीवी से पढ़ाने की
> अभी तक देखें टीवी कार्टून,
> अब है बारी लिखाने की
> पूरा विभाग एक जुट हो गया,
> जब बात आई नया भविष्य बनाने की
> सिद्दीकी की जीत के आगे,
> पूरा जशपुर हिलाने की”

बहु-उपयोगी सहायक सामग्री से बच्चों को शिक्षा

कोंडागांव

शिक्षक साधारण नहीं होता है वह मस्तिष्क को बनाने वाला इंजीनियर होता है। टी एल एम का प्रयोग कर के बच्चों को प्रैक्टिकल बनाएं। सोच जहां खत्म होती है वहां टी एल एम जन्म लेती है। 107 बच्चे जहां पर हो और शिक्षक की कमी हो तो किस आधार पर शिक्षा दिया जा सकता है साथ ही बच्चे गांव से 4 किलोमीटर 5 किलोमीटर दूरी पर रहते हो बच्चों के पास ना मोबाइल है ना नेटवर्क सिस्टम

तो बच्चे कैसा शिक्षण अध्ययन करें और परिवार की स्थिति बहुत ही गरीब है इस आधार पर हमने खेल-खेल में प्रश्न उत्तर का अभ्यास कराना राइटिंग सुधारना ओके गुड वेरी गुड से मूल्यांकन करना प्राकृतिक वस्तु द्वारा प्रोजेक्ट बनाना माचिसकाड़ी का उपयोग करते हुए प्रोजेक्ट निर्माण करना बच्चे ब्लॉक मुख्यालय से 40 किलोमीटर दूर जंगल बस्ती में रहते हैं उनके पास बाजार जाने का साधन नहीं है इस कारण से हम उन्हें प्राकृतिक वस्तु आसानी से गांव में प्राप्त होने वाले सामग्री से प्रोजेक्ट बनाना बताते हैं उसी में से एक कला है खेल-खेल में प्रश्न उत्तर 1 जहां एक शिक्षक होता है या शिक्षक नहीं है या गांव में पढ़े लिखे व्यक्ति कम है वहां पर इस चार्ट का प्रयोग किया जाता है वहां के बच्चों के लिए प्रभावी। 2 एक ही समय में सभी विषयों का ज्ञान। 3 बच्चों को खेल-खेल का आनंद के साथ शिक्षा अध्ययन। 4 लॉकडाउन के समय घर में अपने परिवार के साथ खेलना एवं लेखन करना राइटिंग सुधार हेतु। 5 लगातार दो माह खेलने पर कक्षा के अनुरूप कौशल प्राप्त हो जाता है । 6 बच्चों को सामान्य ज्ञान मौखिक ज्ञान पढ़ने की कला एवं लेखन कौशल में विकास होता है। 7 बच्चों में बौद्धिक एवं पढ़ने की दक्षता का विकास हो जाता है। 8 बच्चों को टी एल एम के माध्यम से बच्चों के मस्तिष्क का विकास होता है जिससे बोलने की क्षमता एवं कार्य करने की क्षमता वृद्धि होता है। 9 बच्चों को टी एल एम निर्माण में प्राकृतिक वस्तु जो उनके घर के आसपास प्राप्त हो ऐसे वस्तुओं का उपयोग किया जाता है। 10 इससे शिक्षक भी लाभ ले चुके हैं। कोंडागांव जिला में अधिकांश टीचर जिससे प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके हैं एवं अन्य राज्यों भी इसका लाभ ले रहे हैं।

> "नवयुग का इतिहास रचेंगे,
> हम ऐसा आकाश बनाएंगे ।
> जीवन में नवीन उजाला लाएंगे,
> बड़े बुजुर्गो को साथ पाएंगे।
> गांधी, भगत सुभाष बनाएंगे,
> मिट जाए सारा अंधकार
> दीपक , धवल, प्रकाश सा,
> एक सुंदर संसार बनाएंगे।
> एक सुंदर संसार बनाएंगे।"

मीडिया में पढ़ई तुंहर दुआर...

CMO Chhattisgarh
10 h

A teacher-
Presents the past
Reveals the present
Creates the future

Our teachers have proved this belief by teaching the children in the adverse conditions of #COVID-19.

TheHitavada
Chhattisgarh Line | 2020-11-26 | Page-1
ehitavada.com

Mohalla classes ensuring 'uninterrupted guidance'

The parents are providing financial help and in absence of teachers some of the villagers are volunteering to conduct classes

Our Correspondent
DHAMTARI, Nov 25

Children attending mohalla class.

बच्चे शिक्षा, हुनर और खेलकूद के कौशल से बनाए अपनी विशिष्ट पहचान : भूपेश बघेल

मुख्यमंत्री ने मासिक रेडियो वार्ता 'लोकवाणी' में 'बालक-बालिकाओं की पढ़ाई, खेलकूद, भविष्य' विषय पर रखे अपने विचार

बच्चों को पढ़ता देख खुद शिक्षक बन गए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल

नीति आयोग ने सराहा मोहल्ला क्लास को

उपलब्धि

दंतेवाड़ा जिले में बच्चों को मिल रही शिक्षा

दंतेवाड़ा . मोहल्ला क्लास में बच्चों को पढ़ाते शिक्षक .

शिक्षकों को प्रेरित किया

इनकी कोशिशें कारगर

Samagra Shiksha, StoryWeaver join hands to empower 90,000 teachers

Every week, StoryWeaver provides storybooks, activities to teachers of State, to distribute among students via digital platforms

This webinar was observed by about 5,000 teachers

Special Correspondent
RAIPUR, Nov 21

Teachers undergoing training through a webinar.

SAMAGRA Shiksha Chhattisgarh and StoryWeaver came together to conduct a training session for 90,000 teachers across State on World Children's Day, observed annually on November 20, with a special focus this year on promoting children's welfare.

Teachers were encouraged to use StoryWeaver to access storybooks for a state-wide reading

translate storybooks into the local languages of State, so that students can have access to storybooks in their own language.

Purvi Shah, Director, StoryWeaver said, "We are delighted to partner with Chhattisgarh, to empower teachers to share storybooks with their

छात्र छात्राओं को एनिमेशन के माध्यम से करा रहे पढ़ाई

ऑनलाइन कक्षाओं में आगमेंटेड रियालिटी का प्रयोग

क्या है आगमेंटेड रियालिटी?

श्यामपुर की शिक्षिका के मार्गदर्शन में बच्चे हो रहे हैं बहुभाषी शिक्षण में दक्ष

छुईखदान ब्लाक के श्यामपुर में बच्चे सीख रहे छत्तीसगढ़ी, हिन्दी एवं अंग्रेजी भाषा कौशल

शिक्षा के लिए नवाचार का प्रयोग | बच्चों को सिखाने के लिये रंगोली, मेहंदी एवं दीवार चित्रों का उपयोग

कोहकाबोड़ में शिक्षक दे रहे वर्कबुक से वर्णमाला लेखन का ज्ञान

अपने घर में ही स्थान उपलब्ध कराया

बच्चों को क्रिएटिव सिखाने के लिए रंगोली, मेहंदी और पेंटिंग का आयोजन

खैरागढ़ ब्लाक के कोहकाबोड़ में शिक्षक दे रहे हैं वर्कबुक से वर्णमाला लेखन का ज्ञान

पढ़ई तुंहर दुआर | स्मार्ट टीवी और मोहल्ला क्लास से बच्चों को पढ़ाई से जोड़ा

शिक्षकों और सारथियों ने थामी शिक्षा

राजनांदगांव (नईदुनिया प्रतिनिधि)। पढ़ई तुंहर दुआर अभियान के तहत बनांचल के मोहल्ला संकुल के शिक्षकों एवं जनप्रतिनिधियों के सहयोग से संकुल के सभी शालाओं में स्मार्ट टीवी लगाकर स्मार्ट कक्षा का संचालन किया जा रहा है। मोहल्ला संकुल के विद्यालयों में स्मार्ट टीवी व मोहल्ला क्लास के माध्यम से बच्चों को पढ़ाई से

शिक्षकों और शिक्षा सारथियों ने मिलकर थामी शिक्षा की कमान

कोरोना काल में भी मोहला संकुल के बच्चों को मिल रही बेहतर शिक्षा

विधायक इंद्रशाह मंडावी ने कहा | शिक्षा का महत्व समझें और इसे जीवन में सर्वोपरि स्थान दें

पेंदाकोड़ो संकुल के 20 शालाओं में स्मार्ट टीवी से होगी पढ़ाई

शिक्षा के महत्व को समझें

'स्माइली' देकर बच्चों की शैक्षणिक गतिविधियों का मूल्यांकन

विशेष आयोजन

इन आयोजनों को यू-ट्यूब पर देखने के लिए फोटो पर क्लिक करें

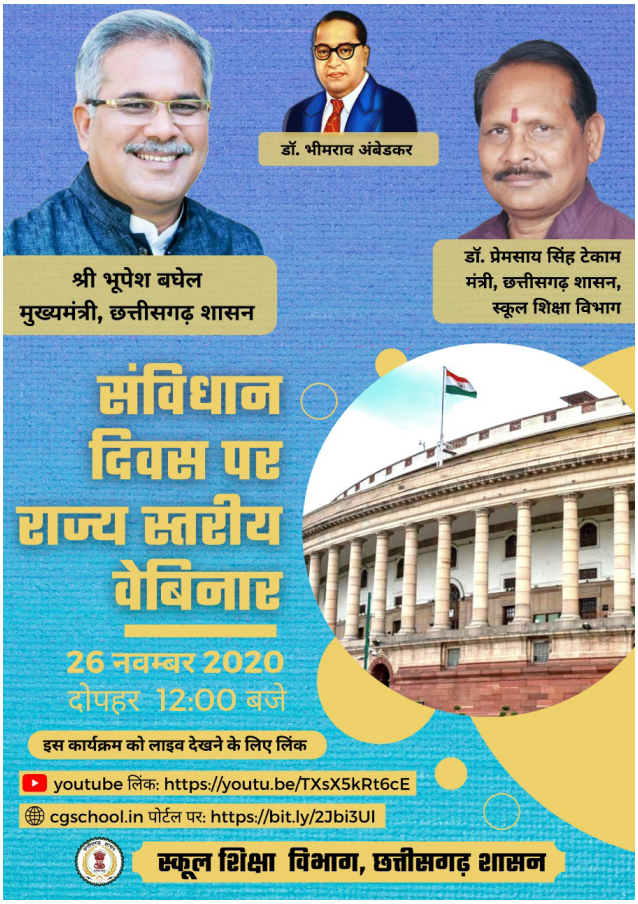

हमारे नायक

कामिनी साहू

नंदनी देशमुख

विजय लक्ष्मी मिश्रा

श्रीमती शशि पाठक

लीलाधर साहू

विजय कुमार पांडा

प्रीती नामदेव

प्रेम सिंह साहू

सुशील नारायण शर्मा

जितेश्वरी साहू

लीना थॉमस

कारूरामनुरेटी

पवन सिन्हा

मंतोरी पंकज

रश्मि खुरसे

तामेश्वर सिंह ठाकुर

संतोष वर्मा

वर्षा यादव

गोपालकृष्ण नायडू

बिसरु राम यादव

सुधांशु हलदर

सुचिता सामंत सिंह

के. शारदा

नारायण प्रसाद देवांगन

प्रमिला जांगड़े

अमर दीप शर्मा

श्रीमती वसुंधरा कुर्रे

शोभा बेंजामिन

स्वप्निल सिंह पवार

वाणी मसीह

संपादक मंडल

O डॉ. योगेश शिवहरे O ए. के . सोमशेखर

O प्रशांत कुमार पांडेय O डॉ. एम. सुधीश O डॉ. विद्यावती चंद्राकर O सत्यराज अय्यर O डॉ. जयभारती चंद्राकर

नीचे दिए बटन को क्लिक करके हमसे जुड़ें

/PTDchhattisgarh

t.me/ptdnews

पढ़ई तुंहर दुआर

scert.del@gmail.com